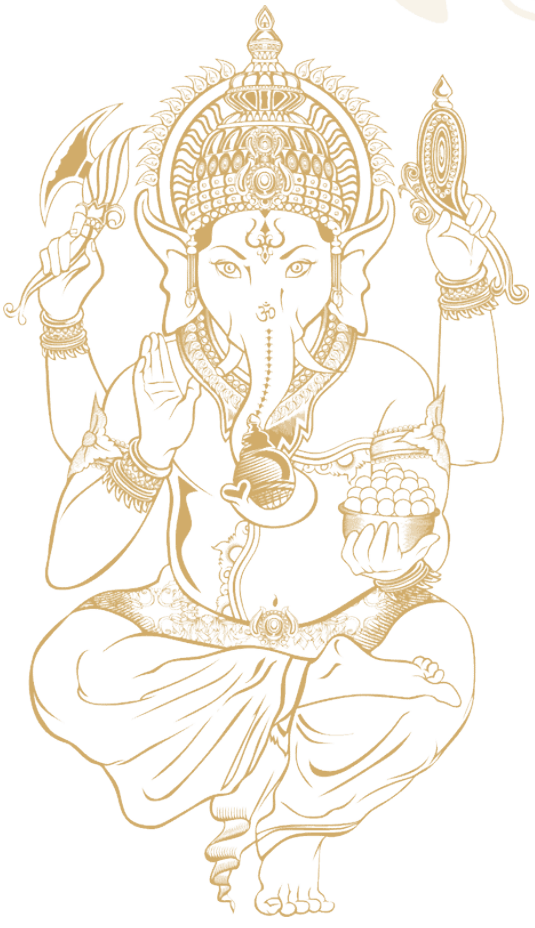

Mandeep anad

Kulwinder kaur

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120989301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120989301 Date: 20/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/06/1982	जन्म तिथि	12/05/1980
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 15:30:00	जन्म समय	15:30:00 घंटे
घटी 25:13:01	जन्म समय(घटी)	24:53:58 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Firozpur
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	30:55:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	74:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:31:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:24:47	सूर्योदय	05:38:36
19:22:27	सूर्यास्त	19:17:28
23:36:28	चित्रपक्षीय अयनांश	23:34:46

तुला	लग्न	कन्या
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	बुध
सिंह	राशि	मीन
सूर्य	राशि-स्वामी	गुरु
मघा	नक्षत्र	रेवती
केतु	नक्षत्र स्वामी	बुध
2	चरण	4
वज्र	योग	आयुष्मान
बालव	करण	वणिज
मी-मीत	जन्म नामाक्षर	ची-चित्रलता
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
वनचर	वश्य	जलचर
मूषक	योनि	गज
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	सिंह

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 4वर्ष 9मा 1दि	20:16:05	तुला	लग्न	कन्या	10:42:43	बुध 0वर्ष 9मा 27दि
मंगल	09:54:58	मिथु	सूर्य	मेष	28:14:23	मंगल
28/03/2023	04:16:34	सिंह	चंद्र	मीन	29:21:08	10/03/2024
28/03/2030	17:00:37	कन्या	मंगल	सिंह	08:56:39	10/03/2031
मंगल 24/08/2023	17:57:29	वृष	बुध	मेष	27:02:48	मंगल 06/08/2024
राहु 11/09/2024	06:50:13	तुला व	गुरु	सिंह	07:03:05	राहु 24/08/2025
गुरु 17/08/2025	06:16:59	वृष	शुक्र	मिथु	06:13:57	गुरु 31/07/2026
शनि 26/09/2026	21:55:50	कन्या	शनि व	सिंह	26:42:04	शनि 09/09/2027
बुध 24/09/2027	19:45:03	मिथु	राहु व	सिंह	01:35:22	बुध 05/09/2028
केतु 20/02/2028	19:45:03	धनु	केतु व	कुंभ	01:35:22	केतु 01/02/2029
शुक्र 21/04/2029	07:45:57	वृश्चि व	हर्ष व	वृश्चि	00:03:20	शुक्र 03/04/2030
सूर्य 27/08/2029	01:50:24	धनु व	नेप व	वृश्चि	28:30:09	सूर्य 09/08/2030
चन्द्र 28/03/2030	00:31:54	तुला व	प्लूटो व	कन्या	25:58:10	चन्द्र 10/03/2031

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:36:28 चित्रपक्षीय अयनांश 23:34:46

लग्न-चलित

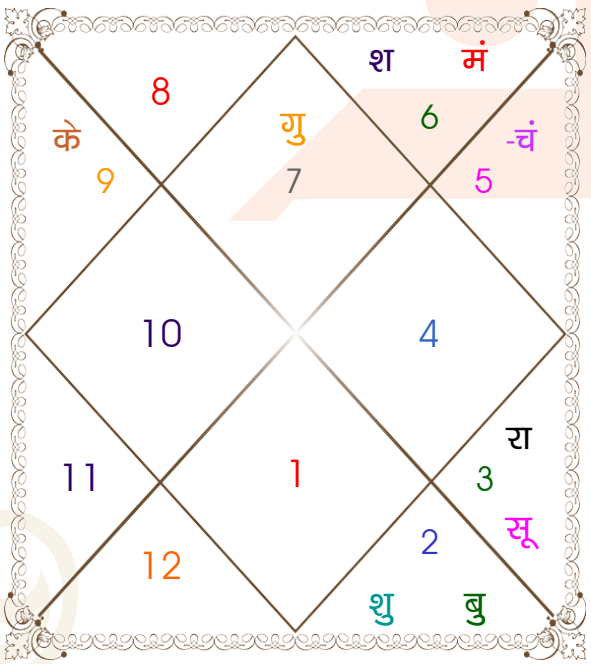

लग्न-चलित

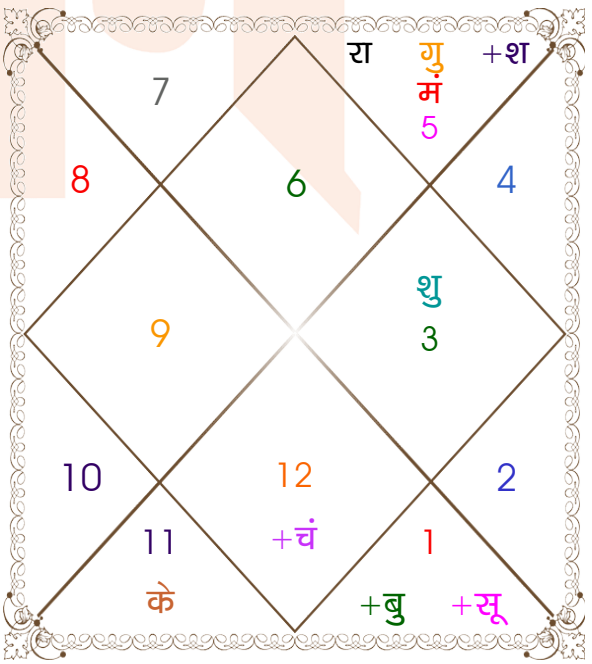

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

कुल : **13 / 36**

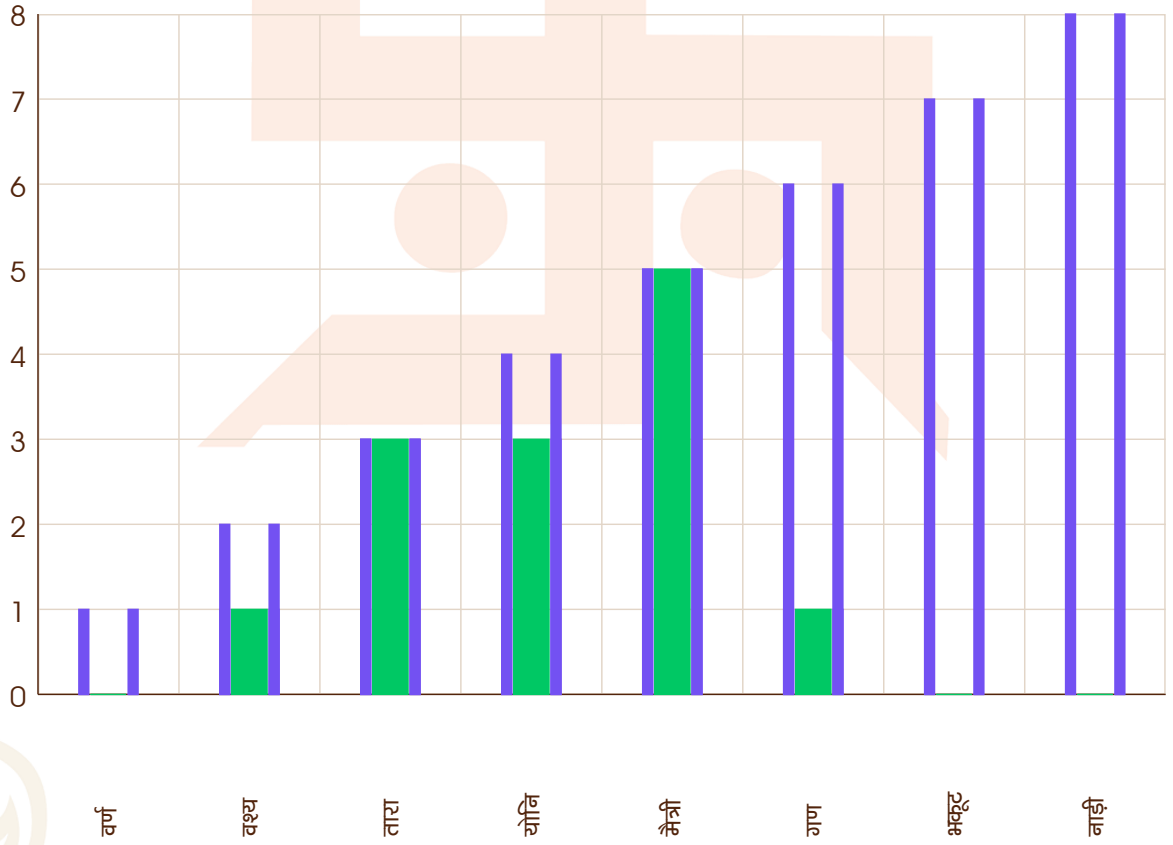

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Kulwinder kaur का नक्षत्र रेवती है।

Mandeep anad का वर्ग मूषक है तथा Kulwinder kaur का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mandeep anad और Kulwinder kaur का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mandeep anad मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mandeep anad कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Kulwinder kaur मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Kulwinder kaur कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Kulwinder kaur कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Kulwinder kaur कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mandeep anad कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mandeep anad तथा Kulwinder kaur में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mandeep anad का वर्ण क्षत्रिय तथा Kulwinder kaur का वर्ण ब्राह्मण है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच सदैव अहं का टकराव होता रहेगा। साथ ही Kulwinder kaur हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रस्त रहेंगी तथा स्वयं को अपने पति से हमेशा अधिक बुद्धिमान एवं चतुर समझेंगी। श्रेष्ठता की यही भावना Mandeep anad एवं बच्चों के विकास में बाधक साबित हो सकती है।

वश्य

Mandeep anad का वश्य वनचर है एवं Kulwinder kaur का वश्य जलचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। दोनों एक-दूसरे के प्रति उदासीन रहेंगे तथा अपनी इच्छानुसार दोनों अपना जीवन निर्वाह करते रहेंगे। वनचर Mandeep anad एवं जलचर Kulwinder kaur के बीच वैवाहिक संबंध करने से उनका वैवाहिक जीवन औसत ही माना जायेगा अर्थात न ही अच्छा और न ही बुरा। यद्यपि कि दोनों एक-दूसरे का ख्याल नहीं रखेंगे फिर भी अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन भली-भांति करते रहेंगे। इनका जीवन सामान्यतः नीरस ही रहेगा क्योंकि प्रेम एवं रोमांस के तत्व इनके जीवन से अनुपस्थित ही रहने वाले हैं।

तारा

Mandeep anad की तारा सम्पत तथा Kulwinder kaur की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Mandeep anad एवं Kulwinder kaur दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Kulwinder kaur एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Mandeep anad की योनि मूषक है तथा Kulwinder kaur की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का

वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mandeep anad एवं Kulwinder kaur दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mandeep anad एवं Kulwinder kaur के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mandeep anad एवं Kulwinder kaur जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Mandeep anad का गण राक्षस तथा Kulwinder kaur का गण देव है। अर्थात Kulwinder kaur का गण Mandeep anad के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण Mandeep anad निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही Mandeep anad का Kulwinder kaur के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Kulwinder kaur हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

Mandeep anad से Kulwinder kaur की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Kulwinder kaur से Mandeep anad की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। Mandeep anad एवं Kulwinder kaur दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। Mandeep anad शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर Kulwinder kaur बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

Mandeep anad की नाड़ी अन्त्य है तथा Kulwinder kaur की नाड़ी भी अन्त्य है।

अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mandeep anad एवं Kulwinder kaur की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mandeep anad की राशि अग्नितत्व युक्त सिंह तथा Kulwinder kaur की राशि जलतत्व युक्त मीन है। अग्नि एवं जलतत्व में नैसर्गिक विषमता के कारण Mandeep anad एवं Kulwinder kaur की स्वाभाविक प्रवृतियों में अंतर रहेगा जिससे परस्पर संबधों में मधुरता के भाव में न्यूनता रहेगी। अतः मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

Mandeep anad की राशि का स्वामी सूर्य तथा Kulwinder kaur की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर मित्र राशि में स्थित हैं। अतः इसके प्रभाव से Mandeep anad और Kulwinder kaur के आपसी संबधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति आकर्षण, समर्पण एवं सहयोग के भाव की प्रबलता रहेगी। साथ ही एक सच्चे मित्र की तरह एक दूसरे की गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। इन प्रवृतियों के कारण Mandeep anad और Kulwinder kaur का वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

Mandeep anad की राशि तथा Kulwinder kaur की राशि परस्पर अष्टम एवं षष्ठ भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से Mandeep anad और Kulwinder kaur के उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता होगी तथा परस्पर अनावश्यक मतभेद, वैमनस्य तथा विरोध का भाव रहेगा। साथ ही एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके वे कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे समय समय पर कलह होता रहेगा तथा परिवार में अशांति रहेगी। अतः Mandeep anad और Kulwinder kaur को ऐसी प्रवृतियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

Mandeep anad का वश्य वनचर तथा Kulwinder kaur का वश्य जलचर है। वनचर एवं जलचर में नैसर्गिक समानता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक अंतर भी समान रहेगा। साथ ही काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Mandeep anad का वर्ण क्षत्रिय तथा Kulwinder kaur का वर्ण ब्राह्मण है । अतः Mandeep anad की प्रवृति साहसी एवं पराक्रमी कार्यो में रहेगी । Kulwinder kaur शैक्षणिक क्षेत्र, शास्त्रीय या धार्मिक कार्यो के प्रति रूचिशील रहेंगी जिससे Mandeep anad और Kulwinder kaur के कार्य क्षेत्र में नित्य उन्नति मार्ग प्रशस्त रहेंगे ।

धन

Mandeep anad की तारा सम्पत तथा Kulwinder kaur की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Mandeep anad सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा Kulwinder kaur के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा

प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Mandeep anad और Kulwinder kaur को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से Kulwinder kaur का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Mandeep anad और Kulwinder kaur दोनों का जन्म अन्त्य नाड़ी में हुआ है। अतः इन पर नाड़ी दोष का प्रबल प्रभाव रहेगा जिससे Kulwinder kaur का स्वास्थ्य प्रभावित होगा तथा ठण्ड, कफ तथा खांसी आदि से उन्हें समय समय पर परेशानी की अनुभूति होगी। साथ ही गले से संबंधित कष्ट भी हो सकता है। मंगल का भी दोनों के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव होने से वे धातु या गुप्त रोगों से परेशानी की अनुभूति करेंगे तथा Kulwinder kaur के गर्भपात की संभावना भी रहेगी एवं Mandeep anad हृदय रोग से असुविधा प्राप्त करेंगे। इस प्रकार मंगल एवं नाड़ी दोष के प्रभाव को देखकर मिलान नहीं करना चाहिए तथापि इसके प्रभाव को अल्प करने के लिए Mandeep anad और Kulwinder kaur दोनों को हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mandeep anad और Kulwinder kaur का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mandeep anad और Kulwinder kaur के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Kulwinder kaur के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Kulwinder kaur को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Kulwinder kaur को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mandeep anad और Kulwinder kaur सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mandeep anad और Kulwinder kaur का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Kulwinder kaur के सास के साथ संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी Kulwinder kaur को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः Kulwinder kaur को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ Kulwinder kaur के संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबधों से Kulwinder kaur सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

ससुराल-श्री

Mandeep anad के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में Mandeep anad के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Mandeep anad के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा Mandeep anad भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।